निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या 03 वर्ष 2017-18

यह निरीक्षण प्रतिवेदन **महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी** द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार किया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी किसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लिए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय . **महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी** के माह 02/2015 से 04/2017 तक के लेखा अभिलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री एस.एस. दरियाल,सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री मनोज कुमार सिंह, पर्यवेक्षक एवं श्री जितेन्द्र तमोली, लेखापरीक्षक द्वारा दिनांक 11/05/2017 से 17/05/2017 तक श्री अनिल कुमार जैन वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित किया गया।

<u>भाग-I</u>

1. **<u>परिचयात्मकः</u>** इस इकाई की विगत लेखापरीक्षा श्री विभास मुखर्जी, श्री रविन्द्र यादन, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों, द्वारा दिनांक 19/01/2015 से 28/01/2015 तक श्री काव्यद्वीप जोशी, सहायक महालेखाकार के पर्यवेक्षण में सम्पादित की गयी थी। जिसमें माह 09/2012 से 12/2014 तक के लेखा अभिलेखों की जांच की गयी थी।
2. (i) इकाई के क्रियाकलाप एवं भौगोलिक अधिकार क्षेत्रः जिला नैनीताल

(ii) (अ) विगत तीन वर्षों में बजट आबंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		अवशेष			
							स्थापना		गैर स्थापना	
	स्थापना `	गैर स्थापना `	आवंटन `	व्यय `	आवंटन `	व्यय `	आधिक्य (+) ☐	बचत (-) ☐	आधिक्य (+) ☐	बचत (-) ☐
2012-13			13854159.00	13680444	8.62	8.62				
2013-14			15861908.00	14283933	13.15	13.15				
2014-15			18105638.00	17257886	13.15	13.15				
2015-16			20748923.00	20191012	14.65	14.65				
2016-17			18925000.00	17673723	8.30	8.30				

(ब) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त निधि एवं व्यय विवरण निम्नवत हैः

वर्ष	**योजना का नाम**	**प्रारम्भिक अवशेष `**	**प्राप्त `**	**व्यय अधिक्य (+) `**	**बचत (-) `**
-शून्य-					
बजट सिड़कुल को आवंटित एवं वितरित की जाती है।					

(iii) इकाई को बजट आवंटन राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है। गैर स्थापना व्यय को सम्मिलित न करते हुए इकाई **C** श्रेणी की है। विभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः

(iv) **लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा विधिः** लेखापरीक्षा में लेनदेन की लेखापरीक्षा, **महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी** को आच्छादित किया गया। समस्त स्वाधीन आहरण एवं वितरण अधिकारियों के निरीक्षण प्रतिवेदन पृथक-पृथक जारी किये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन **महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी** की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 07/2016 एवं 04/2017 को विस्तृत जांच हेतु चयनित किया गया। **राज्य पूंजी उपादान एवं केन्द्र पूंजी उपादान योजना** का विस्तृत विश्लेषण किया गया। प्रतिचयन अधिकतम वितरित उपादना के आधार पर किया गया।

(v) लेखापरीक्षा भारत के संविधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा **13,** लेखा तथा लेखापरीक्षा विनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

<u>भाग-II 'अ'</u>

-शून्य-

भाग दो (अ)

प्रस्तर 1- रु0 51.98 लाख नियमानुसार वसूली न किया जाना।

राज्य मे औद्योगिक विकास अनुभाग-2 उत्तराखंड शासन की अधिसूचना संख्या488/औ॰वि॰/VII-II-08 दिनांक 29/02/2008 द्वारा [के प्रस्तर-5(2) से अनुमोदित] उद्योग विभाग मे विशेष राज्य पूंजी निवेश उपदान सहायता योजना लागू की गई थी, इस योजना के अंतर्गत राज्य मे 01.04.2008 के उपरांत राज्य मे लगी नई औद्योगिक इकाइयो को नियमानुसार उपादान के रूप मे आर्थिक सहायता प्रदान करना था| उक्त योजना मे मुख्य नियम/प्रतिबंध निम्नानुसार थे-

5(1)- प्रदेश के स्थाई एवं मूल निवासियों द्वारा स्थापित किए जाने वाले नए उद्यमो को कार्यशाला, भवन, मशीनरी, संयंत्र एवं उपकरणो मे किए गए अचल पूंजी निवेश का 25 प्रतिशत, अधिकतम Rs 30.00 लाख तक|

5(2) – प्रदेश के स्थाई एवं मूल निवासियों के अतिरिक्त अन्य उद्यमियो द्वारा स्थापित किए जाने वाले नए उद्यमो को कार्यशाला, भवन, मशीनरी, संयंत्र एवं उपकरणो मे किए गए अचल पूंजी निवेश का 20 प्रतिशत, अधिकतम Rs 25.00 लाख तक| वह उद्यम प्रारम्भ होने से 10 वर्ष के अंदर उत्पादन बंद कर देता है, तो राज्य सरकार उपादान सहायता वापिस करने पर विचार कर सकता है|

10(3) – जिन उद्यमियो ने Rs 1.00 लाख से अधिक का उपादान प्राप्त किया है, उन्हे उपादान प्राप्त होने के वर्ष से 10 वर्ष तक अंकेक्षित लेखे व उत्पादन/विक्रय विवरण प्रस्तुत करने होंगे|

11(1) – प्रस्तर 10(1 से 4) का अनुपालन न होने पर उत्पादन सहायता की वसूली एक मुश्त तथा भू-राजस्व वसूली के सदृश्य 18 प्रतिशत ब्याज सहित की जा सकेगी|

उक्त के परिपेक्ष मे कार्यालय महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, हल्द्वानी के विशेष राज्य पूंजी उपादान योजना अंतर्गत पूंजी उपादान एवं ब्याज उपादान से संबन्धित पत्रावलियों की लेखापरीक्षा मे पाया कि मै0 ब्लू बैल पाइन वेली रेसोर्ट्स को पूंजी उपादान के रूप मे रु0 25.00 लाख दिनांक 19.07.2013 को स्वीकृत कर भुगतान किया गया तथा ब्याज उपादान के रूप मे 14-03-2015 को रु0 638949.00 स्वीकृत कर भुगतान किया गया| यह उपादान औद्योगिक प्रोत्साहन नीति, 2008 के अनुसार होटल, रेसोर्ट्स हेतु दिया गया था| होटल, रेसोर्ट्स मार्च, 2012 से प्रारम्भ कर 3 वर्ष से पुर्व ही होटल रेसोर्ट्स व्यवसाय के स्थान पर THE BROOK DALES RESIDENTIAL SCHOOL बिना जिला उद्योग कार्यालय को सूचित किए ही प्रारम्भ कर दिया गया था, चूंकि उल्लेखित औद्योगिक प्रोत्साहन नीति का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है अतः प्रावधानुसार भुगतान की गई पूंजी उपादान एवं ब्याज उपादान मय 18 प्रतिशत ब्याज सहित वसूलनीय है, अर्थात रु0 25.00 लाख पूंजी उपादान एवं रु0 6.39 लाख ब्याज उपादान कुल रु0 31.39 लाख मय 18% ब्याज सहित रु0 (पूंजी उपादान मद मे रु0 25.00 + ब्याज 18.00 लाख = कुल रु0 43.00 लाख + ब्याज उपादान मद मे रु0 638949.00 + 18% ब्याज रु0 2.59 लाख= कुल रु0 897949.00) कुल पूंजी उपादान मय ब्याज रु0 43.00 लाख + ब्याज उपादान मय ब्याज रु0 8.98 लाख कुल रु0 51.98 लाख वसूला जाना था, जिसे आतिथि तक वसूला नहीं गया है न ही यथानियम वसूली प्रमाणपत्र संबन्धित राजस्व अधिकारियों द्वारा जारी करवाने हेतु पत्राचार ही किया गया है। इसे इंगित करने पर विभाग ने उत्तर मे बताया कि "प्रश्नगत प्रकरण पर निदेशक उद्योग को कार्यालय के पत्र सं0- 642 दिनांक 12-06-2015 के द्वारा अवगत कराते हुये अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देश मांगे गए थे। जिसके प्रति उत्तर मे उद्योग निदेशालय के पत्र संख्या 1346 दिनांक 29-06-2015 के द्वारा इकाई को पुनः होटल के संचालन हेतु 9 माह का अतिरिक्त समय देने के निर्देश दिये गए थे। पुनः निदेशालय को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुये अग्रिम निर्देश मांगे जाएंगे, ताकि निर्देशानुसार इकाई के विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही की जा सके ।" विभाग का उत्तर से ही स्पष्ट है कि निदेशक कार्यालय द्वारा दिनांक 29-06-2015 को होटल के संचालन हेतु 9 माह का अतिरिक्त समय दिये जाने का निर्देश दिया था, लेकिन 2 वर्षो के बाद भी न ही होटल व्यवसाय के द्वारा पुनः होटल ही चलाया गया, न ही नियमानुसार विभाग द्वारा वसूली हेतु यथोचित कार्यवाही ही किया गया जिस कारण रु0 51.98 लाख की वसूली नहीं की गई है अतः रु0 51.98 लाख नियमानुसार वसूली न किए जाने का प्रकरण शासन के संज्ञान में लाया जाता है ।

Hkkx nks ‘c’

izLrj 1- :0 78-16 yk[k dh fo|qr ,o C;kt miknku lgk;rk dh olwyh u fd;k tkuk A

vkS|ksfxd fodkl vuqHkkx&2]mRrjk[k.M “kklu dh vf/klwpuk la[;k&488@ vkS0fo0@lkr&AA&08@08 fnukad 29 Qjojh] 2008 ds izLrj&5¼3½ ls vuqekfnr ;g fu;ekoyh fnukad 1 vizsSy 2008]tSlkfd vf/klwpuk fnukad 29 Qjojh 2008 esa vf/klwfpr gS ls izorZ gksdj fnukad 31 ekpZ] 2018 rd izHkkoh jgsxhA

izLrj 7 1 C;kt miknku dh jkf”k bdkbZ ds [kkrs esa tek gks tkus ds i”pkr ;fn ;g ik;k tkrk gS afd bdkbZ }kjk dksbZ rF; Nqik;s x;s gS ;k rF;ksa dks xyr <x ls izLrqr fd;k x;k gS ,oa bl izdkj xyr rjhds ls miknku izkIr fd;k x;k gS]rks C;kt miknku dh /kujkf”k ,d eq”r olwyh ;ksX; gks tk;sxh]ftldh olyh lEcfU/kr@bdkbZ ;k nksuks ls Hkw jktLo olwyh ds ln`”; dh tk ldsxhA

vkS|ksfxd fodkl vuqHkkx&2]mRrjk[k.M “kklu dh vf/klwpuk la[;k&488@ vkS0fo0@lkr&AA&08@08 fnukad 29 Qjojh] 2008 ds izLrj&5¼4½ ls vuqekfnr ;g fu;ekoyh fnukad 1 vizsSy 2008]tSlkfd vf/klwpuk fnukad 29 Qjojh 2008 esa vf/klwfpr gS ls izorZ gksdj fnukad 31 ekpZ] 2018 rd izHkkoh jgsxhA

izLrj%8 ¼2½ उधमी द्वारा व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ करने के पश्चात न्यूनतम 5 वर्षो तक अपना उधम चालू रखना होगा।

(3) प्रस्तर 8(2) मे उल्लेखित शर्तो के पालन न होने पर छूट सहायता की वसूली ,d eq”r jktLo olwyh ds ln~”; dh tk ldsxhA

eS0 dkWD”;ksj Qzkstu QqMl izk0fy0 xke fonjkeiqj]iks0pdyqok]rglhy dkyk<qxh]Cykd dksVkckx] ftyk uSuhrky }kjk fnukad 06@03@2011 dks okf.kZT; mRiknu izkjEHk fd;k x;k A

mi la[;kfd vf/kdkjh] ftyk m|ksx dsUnz gY}kuh }kjk fnukad 13@03@2015 dh LFkyh; fujh{k.k fjiksVZ esa crk;k x;k fd mDr bdkbZ dkQh le; ls dk;Z ugh dj jgh gSA

vr% mijksDr fu;e ds ifjis{; esa mDr bdkbZ dks ys[kkijh{kk frfFk rd dh x;h fo|qr izfriwfrZ lgk;rk :0 36-74 yk[k ,oa C;kt miknku lgk;rk :0

12-00 yk[k dh C;kt lfgr owlyh 18 izfr”kr dh nj ls vkfrfFk ¼ebZ 2017½ :0 29-58 vFkkZr dqy olwyusa ;ksX; /kujkf”k :0 78-16 yk[k dh fd;s tkus ;ksX; gSA

bl lEcU/k esa foHkkx ls iwNus ij crk;k x;k fd D;ksfd bdkbZ orZeku esa cUn gks pqdh gS]vr% bdkbZ dks forfjr fd;s x;s fo|qr ,oa C;kt miknku dh olwyh djus gsrq funs”kd m|ksx ls vfxze funsZ”k ekWaxus dh dk;Zokgh izkjEHk dj nh x;h gA funs”kky; ls funsZ”k izkIr gksrs gh rn~uqlkj vfxze dk;Zokgh dj nh tk;sxhA

vr% izdj.k laKku esa yk;k tkrk gSA

भाग-दो "ब"

प्रस्तर 2- उच्चाधिकारियों के आदेशो का अनुपालन न किये जाने के फलस्वरूप परिवहन उपादान की धनराशि रु0 24.93 लाख न वसूला जाना।

कार्यालय जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी की लेखापरीक्षा के दौरान विभिन्न औद्योगिक ईकाइयो को भुगतान किए गए परिवहन उपादानो के दावो से संबन्धित पत्रावलियों की जांच मे पाया कि मै0 अशोक स्टोन क्रेशर, चेरपानी, जनपद- नैनीताल को कुल रु0 2488644.00 स्वीकृति कर भुगतान किया गया था, की उत्तराखण्ड सतर्कता अधिस्तान नैनीताल सैक्टर, नैनीताल द्वारा जांच कर जाँच प्रतिवेदन शासन को उपलब्ध कराई गयी, जिसमे उक्तलिखित धनराशि मे से मिथक परिवहन अभिलेखो/साक्ष्यों के आधार पर Rs 412193.00 परिवहन उपादान प्राप्त किया जाना पाया गया| इस संबंध मे उत्तराखंड शासनादेश संख्या 1323/VII-1/87-उध्योग/2011 05 सितंबर, 2011 एवं 531/ VII-2-13/87-उद्योग /2011 दिनांक 13 मार्च, 2013 के अनुसार नियम विरुद्ध प्राप्त किए गए परिवहन उपादान की धनराशि रु0 412197.00 को 18 % वार्षिक ब्याज की दर से नियमानुसार वसूली करते हुए शासन को अवगत कराने हेतु लिखा था, लेकिन जिला उद्योग केंद्र, हल्द्वानी के द्वारा दिनांक 27-8-2014 को ब्याज की धनराशि Rs 1642377.00 जमा किए जाने हेतु पत्र प्रेषित किया था उसके पश्चात इस कार्यालय के द्वारा वसूली हेतु कोई कार्यवाही नहीं की गई| जबकि नियमानुसार शासकीय धनराशि वसूले जाने हेतु राजस्व विभाग को वसूली प्रमाणपत्र जारी करवाने हेतु लिखा जाना चाहिय था, लेकिन लेखा परीक्षा तिथि तक कार्यालय, महाप्रबंधक हल्द्वानी द्वारा राजस्व विभाग को कोई पत्र नही लिखा गया था। मै0 अशोक स्टोन क्रेशर के द्वारा रु0 412197.00 दिनांक 4 सितंबर 2013 को जमा किया था, को कार्यालय द्वारा मूलधन की वसूली माना है जबकि नियमानुसार ब्याज की कटौती के पश्चात ही मूलधन की कटौती की जाती है। अभी रु0 1642377.00 जो कि 27-08-2014 के पश्चात ब्याज आगणित करते हुये वसूला जाना अपेक्षित है अर्थात 18% ब्याज सहित रु0 2492662.00 वसूला जाना शेष है| इसे इंगित करने पर उत्तर मे बताया कि *"निदेशालय से मार्ग दर्शन प्राप्त होते ही इकाई को पुनःनोटिस देते हुये भू-राजस्व हेतु वसूली प्रमाणपत्र जिलाधिकारी महोदय को प्रेषित कर दी जाएगी"* विभाग का उत्तर तत्थ्यात्मक नही है, क्योकि शासन एवं निदेशालय स्तर से वर्ष 2011 एवं वर्ष 2013 मे ही वसूली हेतु महाप्रबंधक को निर्देशित/आदेशित किया जा चुका था। अतः उच्चाधिकारियों के आदेशो का अनुपालन न किये जाने के फलस्वरूप परिवहन उपादान की धनराशि रु0 24.93 लाख न वसूला जाने का प्रकरण उच्चाधिकारियों के संज्ञान मे लाया जाता है

izLrj 3% :0 42-60 yk[k dk fo"ks'k jkT; iwWath ;kstuk esa vfu;fer miknku Lohd`r dj Hkqxrku fd;k tkukA

vkS|ksfxd fodkl vuqHkkx&2]mRrjk[k.M "kklu dh vf/klwpuk la[;k&488@ vkS0fo0@lkr&AA&08@08 fnukad 29 Qjojh] 2008 ds izLrj&5¼2½ ls vuqekfnr ;g fu;ekoyh fnukad 1 vizsSy 2008]tSlkfd vf/klwpuk fnukad 29 Qjojh 2008 esa vf/klwfpr gS ls izorZ gksdj fnukad 31 ekpZ] 2018 rd izHkkoh jgsxhA

izLrj 10 laforj.k ,tsUlh ds vf/kdkj rFkk miknku izkIr djus okyh vkS|ksfxd bdkbZ dk nkf;Ro%

¼1½ ;fn jkT; ljdkj bl ckr ls larq'V gS fd fdlh m|e us miknku gsrq fdlh vko";d rF; ds ckjs esa feF;k dFku]feF;k tkudkjh izLrqr dh gS]vFkok og m|e izkjEHk gksus ls 10 o'kZ ds vUnj mRiknu cUn dj nsrk gS]rks jkT; ljdkj dks ;g vf/kdkj gksxk fd og m|e dks lquokbZ dk volj nsus ds mijkUr miknku lgk;rk okil djus ij fopkj dj ldrk gSA

¼3½ ftu m|eksa us :0 1-00 yk[k ls vf/kd dk miknku izkIr fd;k gSa mUgsa miknku izkIr gksus ds o'kZ ls 10 o'kZ rd vadsf{kr ys[ks ,oa mRiknu @fodz; fooj.k izLrqr djus gksxsA

izLrj 11- vU;%

¼1½ izLrj &10 ¼1 ls 4½ dk vuqikyu u gksus ij miknku lgk;rk dh olwyh ,d eq"r rFkk Hkw&jktLo olwyh ds ln`"; 18 izfr"kr C;kt lfgr dh tk ldsxhA

lsok {ks= ds fpfUgr m|e% Hkkjr ljdkj]okf.kT; ,oa m|ksx ea=ky;¼vkS|ksfxd uhfr ,oa lao}Zu foHkkx dh vf/klwpuk la[;k&1¼13½@2003&,l0ih0,l0 fnukad 14 flrEcj 2004 rFkk "kq}hi= fnukad 16 flrEcj 2004 esa ifjHkkf'kr ikfjfLFkfrd i;ZVu xfrfof/k;kWa ftuesa gksVy]fjlkWVZ]Lik]euksjatu@amusement ikdZ rFkk jksi&os lfEefyr gSA

Li'Vhdj.k%

1- gksVy esa fdjk;s ij nsus ;ksX; U;wure 08 dejksa dk vko";d lqfo/kkvksa ;qDr O;olkf;d HkouA

2- gksVy Hkou fuekZ.k i;kZoj.kh; n`f'V ls mi;qDr rFkk mfpr igqap okys LFky ij gksA

3- gksVy esa fufeZr d{kksa dk vkdkj ,oa {ks=Qy LFkkuh; mifu;eksa rFkk ekudksa ds vuq:i gksA

4- gksVy ds de ls de 50 izfr"kr d{kksa esa attached Lukux`g@izLkk/ku@"kkSpky; dh lqfo/kk gksA

5- gksVy ds "ks'k 50 izfr"kr d{kksa ds fy;s Hkh leqfpr izlk/ku@Lukux`g@"kkSpky; dh O;oLFkk gksA

6- gksVy esa B.Ms@xje ikuh dh vkiwfr dh leqfpr O;oLFkk gksA

7- gksVy esa VsyhQksu lqfo/kk ;qDr Lokxr d{k gks rFkk gksVy dk Quhpj lkQ o vkjkenk;d gksA

8- gksVy dk Hkkstuky; LoPN]goknkj]vk/kqfud midj.kksa ls lqlfTtr gks rFkk gksVy esa LoPNrk gsrq i;kZIr O;oLFkk gksA

ftyk m|ksx dk;kZy; dh ys[kkijh{kk ds nkSjku Hill Subsidy ls lEcfU/kr i=koyh ds voyksdu djus ij ik;k x;k fd eSllZ ,l0ch0,u0 ysd O;w fjlksVZl twu LVsV Hkherky ftyk uSuhrky dks o'kZ 2012&13 ds fy;s fo"ks'k jkT; iwWath fuos"k miknku ds fy;s :0 30-00 yk[k dh laLrqfr dh x;h Fkh A mDr laLrqfr ds vk/kkj ij gh funs"kky; }kjk xfBr lfefr }kjk :0 30-00 ds Hkqxrku dh Lohd`fr iznku djrs gq,s ctV vkoaVu fd;k x;k FkkA vkoafVr /kujkf"k ftyk m|ksx dsUnz }kjk dks'kkxkj ls vkgfjr dj mDr /kujkf"k dk fMekUV M`kQV la[;k 562441 fnukad 24@12@2013 cukdj m|e dks miyC/k djk;h x;h FkhA

2- eSllZ xq:os"k xkze ysVkcwaxk "k"kouh]iks0HkVsfy;k fodkl [k.M /kkjh dks Hkh fo"ks'k jkT; iwWath fuos"k miknku lgk;rk o'kZ 2012&13 ds fy, fnukad 22@5@2014 dks lEiUu jkT; Lrjh; lfefr dh cSBd esa lgk;rk ds :i esa :0 12]60]000-00 Lohd`r dh x;h FkhA

iz"uxr bZdkbZ }kjk mUgsa miknku izkIr gksus ds o'kZ ls 10 o'kZ rd vadsf{kr ys[ks ,oa mRiknu @fodz; fooj.k izLrqr djus Fksa ijUrq mDr bZdkbZ;ksa }kjk miknku izkIr gksus ds o'kZ ls ys[kkijh{kk frfFk rd ys[ks izLrqr ugh fd;s x;s A] mijksDr fu;ekuqlkj miknku izkIr

bZdkbZ;ksa }kjk O;olkf;d lEcfU/kr vfHkys[k tSls vdsa{k.k fjiksVZ]fodz; fooj.kh mRiknu fjiksVZ]bR;kfn izLrqr u djus ij bZdkbZ;ksa ls miknku /kujkf”k dh olwyh gsrq uksfVl tkjh ugh fd;k x;k Fkk bZdkbZ }kjk ?kksf'kr lykUV ,oa e”khujh ds fcyksa dk lR;kiu s okf.kT; dj foHkkx ls Hkh ugh djk;k x;k FkkA bdkbZ ds O;olkf;d mRiknu ls lEcfU/kr dksbZ Hkh vfHkys[k ugh Fksa tSls izFke fcdzh fcy ljk; ,DV dk jftLVs”ku izek.k&i=] okf.kZT; dj foHkkx esa O;olkf;d dk;Z djus gsrq izkIr fd;k tkuk okyk izek.k &i= ¼fVu la0]yXtjh VSDl dk iaft;u½ euksjtu foHkkx dk izek.k&i=][kkn~; foHkkx }kjk tkjh QwM ykblsUl bR;kfn vfHkys[kksa ds fcuk gh bZdkbZ dks fo”ks'k jkT; iwWath lgk;rk miknku ;kstuk dk ik= ekurs gq,s ykHk Lohd`r dj fn;k x;k FkkA tksfd fo”ks'k jkT; iwWath miknku /kujkf”k esa mYyf[kr izko|kuksa ds fo:) FkkA

bl lEcU/k esa foHkkx ls iwNus ij vius mRrj esa crk;k x;k fd mRrjk[k.M “kklu vkS|ksfxd fodkl vuqHkkx&2 la[;k 2930 fnukad 18 uoEcj 2011 ds izLrj 11 esa mYysf[kr gS fd lHkh iwWath fuos”k miknku lgk;rk dk ykHk bl izdkj ls fn;k tk;sxk fd dsUnzh; iwWath fuos”k miknku lgk;rk rFkk jkT; ljdkj }kjk nh tk jgh fo”ks'k jkT; iwWath fuos”k miknku lgk;rk ls feyus okyh dqy vuqnku dh /kujkf”k dqy :0 60-00 yk[k ls vf/kd u gksA lkFk gh lkFk ;g Hkh voxr djk;k fd bdkbZ;ksa dks vius mRiknu ls lEcfU/kr 10 o'kZ ds vadsf{kr ys[ks ,o adz; fodz; fooj.k izLrqr djus gsrq fy[kk x;k gSaA ;s bdkbZ;kWa orZeku esa dk;Zjr gSa mDr bdkbZ;ksa ls dz; fodz; fooj.k izkIr dj fy;s tk;sxsaA

foHkkxh; mRrj ekU; ugh gSa]D;ksfd fdlh Hkh bdkbZ ds dkjksckj dk lR;kiu mlds }kjk ?kksf'kr okf.kZT; dj foHkkx esa ekfld@rSekfld dz; fodz; fooj.kh ls gh lR;kifr gks ldrk gSA ftlds vfHkys[k bdkbZ;ksa }kjk lEizs{kk frfFk rd izLrqr ugh fd;s x;s Fksa bl lEcU/k esa bdkbZsa }kjk fyf[kr :i ls voxr djk;k x;k fd mudk O;olk; oSV vf/kfu;e 2005 dh /kkjk 3¼7½ds vUrxZr ugh vkrk gSaA tcfd oSV vf/kfu;e 2005 dh /kkjk 3¼7½ esa ;g dgk x;k fd ;fn fdlh O;kSgkjh dk okf'kZd VZuvksoj :0 5-00 yk[k¼vFkkZr :0 41]667-00 ekfld gSa]izfr fnu :0 1389-00 gksrk gS½ rks mldksa okf.kZT; dj foHkkx esa djksckj djus gsrq iathd`r gksuk vfuok;Z gSaA blfy;s izR;sd bdkbZ ftldks miknku lgk;rk iznku dh xbZ gS mldks okf.kT; dj

foHkkx esa iathd`r gksuk vko";d FkkA D;ksfd ;kstuk ds fcUnq la[;k 10- esa Li'V fd;k x;k gS fd ;fn jkT; ljdkj bl ckr ls vlarq'V gS fd fdlh m|e us miknku gsrq fdlh vko";d rF; ds ckjs esa feF;k dFku]feF;k tkudkjh izLrqr dh gS vFkok og m|e izkjEHk gksus ls 10 o'kZ ds vUnj mRiknu cUn dj nsrk gS] rks jkT; ljdkj dks ;g vf/kdkjh gksxk fd og m|e dks lqokbZ dk volj nsus ds lkFk miknku lgk;rk okil djus ij fopkj dj ldrk gSA tcfd bdkbZ;ks okf.kZT; dj foHkkx esa iathd`r gh ugh Fkh] rks muls dz; fodz; fooj.kh dSls izkIr fd;s tk ldrs gsSA blfy;s bdkb;ksa }kjk vius dkjksckj ls lEcfU/kr ekfld@rSekfld fjVZuksa dks miknku lgk;rk izkIr djus ds o'kZ ls gh izLrqr ugh fd;k x;k Fkk tksfd fu;ekoyh esa mYyf[kr izko|kuksa dk Li'V mYy?kau FkkA blfy;sa miknku izkIr djus okyh bdkbZ;ksa ls foHkkx dks Hkw jktLo dh rjg Hkqxrku dh x;h miknku /kujkf"k dh olwyh 18 izfr"kr C;kt lfgr djds jktdks'k esa tek fd;k tkuk pkfg,s Fkh]a rkfd jkT; ljdkj dks gkfu ugh gksrhA

vr% izdj.k laKku esa yk;k tkrk gSA

Hkkx nks ¼c½

izLrj%4- **:0 9-98 yk[k ,dhd`r gLrf"kYi fodkl ,oa izksRlkgu ;kstuk dh vkoafVr /kujkf"k ls dsUnzh; iwWath miknku /kujkf"k dk Hkqxrku fd;k tkukA**

m|ksx funs"kky; }kjk o'kZ 2015&16 ds fy, ;w0,p0,o0Mh0lh0 ¼mRrjk[k.M gFkdj?kk ,oa gLrf"kYi fodkl ifj'kn½ nsgjknwu }kjk

vkj0Vh0th0,l0 ds ek/;e ls bykgkckn cSd gY}kuh esa [kkrk la[;k 50293800555 esa :0 10-00 yk[k dh /kujkf"k ,dhd`r gLrf"kYi fodkl ,oa izksRlkgu ;kstuk esa r`rh; ,oa prqFkZ dk;Zdze dks leikfnr djus gsrq izsf'kr dh x;h FkhA egkizcU/kd m|ksx] ;w0,p0,o0Mh0lh0 ¼mRrjk[k.M gFkdj?kk ,oa gLrf"kYi fodkl ifj'kn½ds Hkh vkgj.k forj.k vf/kdkjh gSaA egkizcU/kd m|ksx }kjk foRr foHkkx@"kklu@funs"kky; ls fcuk vuqefr izklr fd;s gh mDr /kujkf"k ;w0,p0,o0Mh0lh0 ds [kkrs ls vkgj.k dj m|ksx dk;kZy; ds [kkrs esa tek dh x;h ,oa ml /kujkf"k ls fo"ks'k jkT; iwWath miknku lgk;rk ;kstuk esa lClhMh dk Hkqxrku pkj bZdkbZ;ksa dks :0 7-00 yk[k eS0 ekSfy[kh bdks QwVl] pkaniqj dksVkckx] :0 1-19 yk[k eS0 izse jksx lrnwxkk] :0 73]498-00 eS0 U;wV`h dulSIV ,oa :0 1-05 yk[k eS0 nwxk fo'V iSd dqy L0 9]97]542-00 fd;k x;k A

bl izdkj mijksDr /kujkf"k dk ;w0,p0,o0Mh0lh0 ds foRrh; o'kZ 2015&16 ds vk;kstukxr O;; esa mi;ksx u djds vukf/kd`r :i ls mDr fuf/k dk m|ksx dk;kZy; esa iwWathxr miknku ij O;; fd;k x;k tksfd iw.kZr% ctV eSuqvy ,oa foRrh; fu;eksa ds fo:} Fkk ,oa ;w0,p0,o0Mh0lh0 ;kstuk ds vUrZxr ykHkkfFkZ;ksa dks feyus okys ykHk ml foRrh; o'kZ ls ys[kkijhk{kk frfFk rd oafpr jguk iMkA

"kklu@funs"kky; }kjk foRrh; o'kZ 2015&16 esa r`rh;@prqFkZ dk;Zdze dkss lEiUu djkus ds fy, :0 9]97]542-00s O;; dh Lohd`fr nh x;h FkhA ftldk O;; dsoy o'kZ 2015&16 ;w0,p0,o0Mh0lh0 }kjk fd;k tkuk FkkA vkoafVr /kujkf"k ds O;; gksus dk mi;ksfxrk izek.k&i= funs"kky; dks izsf'kr fd;k x;k gS

bl lEcU/k esa iwNus ij vius mRrj esa crk;k x;k fd vkgj.k forj.k vf/kdkjh }kjk vius foods ls fu.kZ; ysrs gq;s bdkbZ;ksa dks miknku /kujkf"k forj.k dh x;h gSA ftlds vkns"k dh izfr lyXu gSA

foHkkx mRrj ekU; ugh gSS] D;ksfd vkgj.k forj.k vf/kdkjh dks "kklu@foRrh; fu;eksa us ;g vf/kdkj gh ugh fn;k Fkk fd ,d en esa vkoafVr /kujkf"k ls nwljh en esa /kujkf"k vkoafVr gksus dh izR;k"k esa O;; dj fn;k tk;saA pwfd ;g /kujkf"k Hkkjr ljdkj ls dsoy gLrf"kYi fodkl ,oa izksRlkgu ;kstuk dk;Z dks djus gsrq voeqDr dh x;h Fkh A rkfd gLrf"kYi fodkl ;kstuk ls jkT; ds cqudjksa dks V`Sfux nsdj ;kstuk

dk y{; izkIr fd;k tk ldrkA ijUrq vkgj.k forj.k vf/kdkjh dh ykijokgh ls jkT; ds cqudjksa dks bl ykHk ls oafpr jguk iMkA

vr% izdj.k laKku esa yk;k tkrk gSA

Hkkx दो ¼c½

izLrj 5- :0 30-00 yk[k dh vfu;fer Lohd`r miknku /kujkf"k एवं उस पर ब्याज की धनराशि □ 8.55 लाख की वसूली न किया जाना।

As per the para 11 of Central Capital Investment Subsidy scheme,2003 if the central Government/State government concerned is satisfied that the subsidy or grant to an industrial unit has been obtained by misrepresentation as to an essential fact, furnishing of false information the central government/state government may, after giving opportunity to the unit concerned of being heard, ask the unit to refund the grant or subsidy already received.

Further as para 14 after the receiving the grant or subsidy, each industrial unit shall submit Annual Progress Report to the State Government about its working for a period of 5 years after going into production.

As per Govt. of India guidelines/Instructions cash payment have not been considered. Plant&Machinery acquired after the registration and with-in one year from the date of commencement of commercial Production only has been considered. In bank finance cases fixed capital investment in plant& machinery as per bank appraisal has been considered as eligible for calculating CCISS. On the basis of the above, the amount of 15% subsidy to which you are entitled in determined at Rs. you are entitled in determined at Rs. 30.00 lakhs.

eS0 VSEiyVu MsoyilZ izk0fy0 ¼ckzUp&3½]xkze eksgku jkeuxj dh dsUnzh; iWawth miknku lgk;rk ;kstuk 2003 ls lEcfU/kr i=koyh dk voyksdu djus ij ik;k x;k fd m|ksx funs"kky; ds i=kad la[;k 2587 fnukad 18@10@2016 ds }kjk :0 30-00 yk[k dh Lohd`fr iznku dh x;h Fkh A mDr ;kstuk dh vof/k 10 o'kZ vFkkZr o'kZ 2013 rd ds fy, gh FkhA dsUnzh; iwWath fuos"k miknku izkIr

ckzUp dh i=koyh ls ;g Hkh Kkr gqvk fd egkizcU/kd dk;kZy; esa bdkbZ dks QkeZ la0 00061 bZ0,e0ikVZ0 1 l[a;k 050112200769 fnukad 17-7-2012 dks vfHkLohd`fr izklr dh x;h FkhA ftlesa Li'V dgk x;k Fkk fd " This acknowledgement is valid for a periode of 2 years from the date of issue." blls Li'V Fkk fd bdkbZ dks dsUnzh; iWwth fuos"k miknku lgk;rk izklr djus gsrq ekg 7@2014 ds ckn iqu% izkjEHk ls iathdj.k dh izfd;k djus ij gh ik=rk ds vk/kkj ij ns; dh tk ldrh FkhA ijUrq ,slk ugh fd;k x;k cfYd izFke bdkbZ eS0 VSEiyVu MoyilZ izk0 fy0 xkze&HkdjkdksV]rglhy&lYV ftyk vYeksMk dks fo"ks'k jkT; iwWath fuos"k ;kstuk ds vUrxZr :0 30-00 yk[k ,oa blh bdkbZ dh f}rh; ckzUp dks Hkh :0 30-00 yk[k dk Hkqxrku fcfYMx ,oa lykaV e"khujh ij fd;k tk pqdk FkkA blh bdkbZ dh r`rh; ckzUp dks Hkh vuSfrd ykHk igqWapkus ds m}s"; ls foHkkx }kjk dsUnzh; iwWath fuos"k nkok izdj.k dks Hkh funs"kky; esa miknku Lohd`r djkus gsrq izsf'kr dj fn;k x;kA funs"kky; }kjk Hkh :0 30-00 dsUnzh; iwWath fuos"k miknku dh Lohd`fr iznku dj nh x;h tksfd dsUnzh; iwWath fuos"k miknku fu;ekoyh fu;eksa ds foifjr FkhA tcfd czkUp }kjk nkok izklr djus ds fy, tks vfHkys[k izLrqr fd;s x;s Fks og feF;k ,oa xyr Fks%& tSls bdkbZ dh czkUp }kjk mRiknu fnukad 8@8@2015 ls crk;k x;k FkkA tcfd bdkbZ ds Mk;sDVj }kjk fnukad 30@12@2012@ ds i= esa Lo;a voxr djk;k fd Hkw[kljk ij eS0 VSEiyVu MSoyilZ izk0 fy0 }kjk viuh bdkbZ u0 03 ds uke ls 16 dejksa ds nks eafty gksVy dk fuekZ.k fd;k gSa tks cSd vkWQ cMksSnk "k[kk jkeuxj ls foRr iksf'kr gSa ,oa fnukad 05@01@2013@ls okf.kT; djksckj izkjEHk gks pqdk gSA fuEufyf[kr rhuksa ckzUpksa esa deZpkfj;ksa dh rSukrh Hkh ,d gh fn[kk;h x;h gSa tksfd rdZ laxr ugha gSA rhuksa ckzUpksa ij ,d le; esa ,d gh frfFk dks dksbZ Hkh deZpkjh dSls dk;Z ds nkSjku jg ldrk gSaA rhuksa bdkbZ ,oa czkUpksa dk fVu la[;k 05010980910 ,d gh gSA rFkk rhuksa ds }kjk viuh [kjhn ,oa fcdzh Hkh ,d gh ?kksf'kr dh tk jgh gSA ;gh ugh Hkou fuekZ.k ls lEcfU/kr fuekZ.k lkexzh ftldk dz; eSllZ jguqek fczd lsUVj ¼cjsyh ;w0ih0½ ls gksuk crk;k x;k ds fcy Hkh izFke f}rh; r`rh; ds ,d gh gS ftlesa okgu dh la[;k vafdr ugh gSA rFkk izkUr cgkj ls lkexzh vk;kr djus ij QkeZ 16 ,oa lek?kku "kqYd dh tek /kujkf"k vfHkys[k Hkh ugh gSa] ;gh ugh okf.kZT; dj foHkkx jkeuxj esa mDr [kjhn dqy :0 20]321]959-00 dks ?kksf'kr

Hkh ugh fd;k x;kA tcfd bl /kujkf"k dk O;; n"kkZrsa gq, gh nkok izLrqr fd;k x;k FkkA bdkbZ dk iath;u 7¼1½ ,oa ¼2½ ikzUrh;@dsUnzh; esa fnukad 8@6@2011 ls izHkkoh gSA ftlesa bdkbZ dks fcfYMx eSVsfj;y dk lkeu dz; djus dh vuqefr iznku ugh dh x;h FkhA tSlkfd bdkbZ ds iath;u ,oa ?kksf'kr lwph ls fofnr gksrk gSA bdkbZ VsEiyVu MoyilZ izk0 fy0 jkeuxj ¼fVu u0 05010980910½ ds Mk;sDVj }kjk okf.kT; dj foHkkx jkeuxj ¼uSuhrky½ esa fnukad 02@01@2014 esa fyf[kr voxr djk;k x;k gS fd mijksDr QeZ dh ckzUp fuEu irksa ij Hkh gSA tksfd dqDM QwM dk gh O;olk; djrh gSA lHkh ckaUpksa ls gekjh O;kikfjd xfrfof/k;kWa dh tk;sxh],oa izR;sd ckzUp ls fcy Hkh VsEiyVu MoyilZ izk0fy0 ds uke ls gh tkjh fd;s tk;sxsA

mijksDr ls Li'V gksrk gS bdkbZ ,d gh gS]dsoy vius O;kikj dks c<kus ds m}s"; ls ckzUpks dks c<k;k x;k FkkA tksfd izFke bdkbZ ds fy, gh dk;Z djrh gS tcfd QeZ VsEiyVu MoyilZ izk0 fy0 xzzke&Hkdjkdks]rglhy&lYV]ftyk vYeksMk

}kjk viuh ckzUp 2,oa 3 dks u;h bdkbZ ?kksf'kr dj fo"ks'k jkT; iwWath miknku ,oa dsUnzh; iWawth fuos"k miknku /kujkf"k dk ykHk bdkbZ }kjk feF;k rF;ks dks ?kksf'kr djds izkIr fd;k x;k gS D;ksfd fo"ks'k jkT; iwWath fuos"k lgk;rk ,oa dsUnzh; iwwWth fuos"k miknku lgk;rk dsoy mUgh ubZ LFkkfir bdkbZ dks gh vuqeU; fd;k tk ldrk Fkk ftuds }kjk ikVZ izFke ds fnukad ls lHkh okf.kT;d vkS|ksfxd lEcfU/kr dk;Zokgh dh x;h gks rFkk dz; fodz; leO;ogkj Hkh vyx &vyx okf.kT; dj foHkkx ,oa vk;dj foHkkx o lSUV`y ,Dlkbt foHkkx esa ?kksf'kr fd;s tkrs gksA bdkbZ }kjk ?kksf'kr ckzUpksa ij ;g lqfo/kk vuqeU; fd;s tkus dk dksbZ Hkh izko|ku Hkkjr ljdkj ,oa jkT; ljdkj }kjk ?kksf'kr dh x;h vf/klwpuk esa ugh FkkA bl ifjis{k esaa okf.kZT; dj foHkkx mRrjk[k.M ds i=kad la[;k 322@vk;qDr dk;kZy; mRrjk[k.M @/kkjk &57 vuqHkkx @ok0dj@2011&12@nsgjknwu mRrjk[k.M fnukad 28 vizSy 2011 esa Li'V djk x;k gS fd mijksDr ;wfuV 1 ds vfrfjDr vU; ;wfuVsa Hkh mlh bdkbZ dk Hkkx gksrh gSA tks mlds fy, tkWac odZ dk dk;Z djrh gSaA ftudk dz; fodz; Hkh izFke ;wfuV esa gh lEefyr gksrk gSA tcfd oSV vf/kfu;e 2005 dh /kkjk 3¼7½ dgk x;k fd ;fn dksbZ bdkbZ okf.kfT;d dkjksckj djrh gSA ,oa mlds }kjk dz; fodz; lEcU/kh leLr

leO;ogkj Hkh vyx ls ?kksf'kr fd;s tkrs gS rFkk mldk okf'kZd VuZ vksoj :0 5-00 yk[k ls vf/kd gksrk gS rks mldks okf.kZT; dj foHkkx esa iathd`r gksuk vfuok;Z gSA pwfd ;gkWa ij bdkbZ@ckzUpksa ds }kjk ,d gh fVu la[;k ,oa ,d gh okf.kT; dj foHkkx esa ?kksf'kr fjVZu ij dkjksckj fd;k tk jgk gSa] blfy;s ;g ,d gh gSA blfy;s nksuksa ;kstuk esa ls izFke bdkbZ ij gh ykHk vuqeU; fd;k tkuk FkkA

bl lEcU/k esa foHkkx ls iwNus ij crk;k x;k fd bdkbZ }kjk m|ksx vk/kkj Qkby fd;k x;k gSA ftlesa bdkbZ dh mRiknu frfFk 28@@8@2015@ ntZ gSA rRdkyhu egkizcU/kd }kjk mRiknu frfFk dks lgh ikrs gq, gh miknku dks vxzlkfjr fd;k x;k gSA

foHkkxh; mRrj ekU; ugh gSa] D;ksfd miknku nkok laLrqr djus ls iwoZ vfHkys[kksa ls ;g Kkr djuk vko";d Fkk fd bdkbZ }kjk ftu nkok vfHkys[kksa dks izLrqr fd;k tk jgk gSA og u;h bdkbZ ls lEcfU/kr gS];k ubZ bdkbZ dh ckzUpksa ls lEcfU/kr gSA rFkk tks vfHkys[k@lwpuk,s izLrqr dh tk jgh gS og feF;k ,oa xyr rks izLrqr ugh fd;s x;s gSaA ;fn izLrqr vfHkys[k@lwpuk,sa rqfV iw.kZ Fkh] rks nkok dks laLrqr dj funs"kky; dks ugh Hkstk tkuk FkkA ijUrq foHkkxh; vf/kdkfj;ksa ds }kjk ,slk ugh fd;k x;k cfYd bdkbZ dh ckzUpksa dss }kjk izLrqr vfHkys[kksa dks lgh lR;kfir dj nkok dks laLrqr dj nkok /kujkf"k Lohd`fr djus gsrq funs"kky; dks izsf'kr dj fn;k x;kA funs"kky; }kjk Hkh laLrqr nkok vfHkys[kksa dh tkWap fd;s fcuk gh jkT; Lrjh; desVh ds le{k izLrqr dj nkok Lohd`r djkus gsrq izLrqr dj fn;k ftl ij desVh }kjk Lohd`fr iznku dj nh x;h FkhA tksfd dsUnzh; iwWth fuos"k lgk;rk ,oa fo"ks'k jkT; iWwth fuos"k lgk;rk esa mYyf[kr fu;eksa ds foijhr Lohd`r fd;k x;k Fkk A blfy;s bdkbZ dh ckzUp&3 ls dsUnzh; iwwWth fuos"k Lohd`r miknku /kujkf"k]18 izfr"kr C;kt lfgr tek frfFk rd x.kuk djds s olwyh djus ;ksX; gSA

vr% izdj.k laKku esa yk;k tkrk gSA

izLrj 6- :0 18-36 yk[k dh fo|qr izfriwfr miknku lgk;rk dh olwyh u fd;k tkuk A

vkS|ksfxd fodkl vuqHkkx&2]mRrjk[k.M “kklu dh vf/klwpuk la[;k&488@ vkS0fo0@lkr&AA&08@08 fnukad 29 Qjojh] 2008 ds izLrj&5¼4½ ls vuqekfnr ;g fu;ekoyh fnukad 1 vizsSy 2008]tSlkfd vf/klwpuk fnukad 29 Qjojh 2008 esa vf/klwfpr gS ls izorZ gksdj fnukad 31 ekpZ] 2018 rd izHkkoh jgsxhA

izLrj%8 ¼2½ उधमी द्वारा व्यावसायिक उत्पादन प्रारम्भ करने के पश्चात न्यूनतम 5 वर्षो तक अपना उधम चालू रखना होगा।

(3) प्रस्तर 8(2) मे उल्लेखित शर्तो के पालन न होने पर छूट सहायता की वसूली ,d eq”r jktLo olwyh ds ln~”; dh tk ldsxhA

eS0 ck;ksykbQ QwM fy0]cksgjkdksV] ftyk uSuhrky }kjk fnukad 01@02@2011 dks okf.kZT; mRiknu izkjEHk fd;k x;k A

lgk;d izcU/kd] ftyk m|ksx dsUnz gY}kuh }kjk fnukad 12@08@2014 dh LFkyh; fujh{k.k fjiksVZ esa crk;k x;k fd mDr bdkbZ dkQh le; ls dk;Z ugh dj jgh gSA

vr% mijksDr fu;e ds ifjis{; esa mDr bdkbZ dks ys[kkijh{kk frfFk rd dh x;h fo|qr izfriwfrZ lgk;rk :0 9-98 yk[k ,oa 18 izfr”kr dh nj ls C;kt :0 8-38 yk[k dqy :0 18-36 yk[k dh owlyh fd;s tkus ;ksX; gSA

bl lEcU/k esa foHkkx ls iwNus ij crk;k x;k fd D;ksfd bdkbZ orZeku esa cUn gks pqdh gS]vr% bdkbZ dks forfjr fd;s x;s fo|qr miknku dh olwyh djus gsrq funs”kd m|ksx ls vfxze funsZ”k ekWaxus dh dk;Zokgh izkjEHk dj nh x;h gSA funs”kky; ls funsZ”k izkIr gksrs gh rn~uqlkj vfxze dk;Zokgh dj nh tk;sxhA

vr% izdj.k laKku esa yk;k tkrk gSA

भाग-III

(इस भाग में विगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का विवरण निम्न प्रारूप में अंकित किया जाय)
विगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का विवरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या
38/2012-13	01,02,03 एवं 04	01
90/2014-15	01	01,02,03 एवं 04

अन्य 2002-03 से पूर्व के प्रस्तर हैं।

विगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
38/2012-13	भाग-II 'ब' प्रस्तर- 01		विभाग का उत्तर तथ्यात्मक नहीं है।	
	भाग-II 'अ' प्रस्तर-01,02,03 एवं 04		प्रस्तर संख्या 01 के अनुसार विभाग द्वारा यथा नियमानुसार कोई वसूली पर कोई कार्य नहीं की गई है अतः प्रस्तर निरस्त कर 31 मार्च 2017 तक के ब्याज आगणित कर पुनः प्रारूप पैरा में शामिल किया गया है अन्य प्रस्तर रहेगा।	
90/2014-15	भाग-II 'अ' प्रस्तर-01		विभाग की आख्या तथ्यात्मक नहीं है।	
	भाग-II 'ब' प्रस्तर-01,02,03 एवं 04		प्रस्तर संख्या 02 जिसे पूर्व में जारी प्रस्तर से संबंधित प्रकरण की कार्यालय द्वारा पुनरावृत्ति की गई है, जिसे वर्तमान लेखापरीक्षा में भी उठाया गया है अतः पूर्व के प्रस्तर निरस्त किया जा सकता है के स्थान पर पुनः वर्तमान में उठाई गई प्रकरण को सम्मिलित करते हुए AIR में प्रस्तर में शामिल करने हेतु प्रारूप तैयार कर प्रेषित की जा रही है। अन्य प्रस्तर उच्चाधिकारियों की अनुशंसा कर आख्या नहीं भेजी गई है अतः यथावत रहेगा।	

<u>भाग-IV</u>

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

-शून्य-

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अवधि में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अभिलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु **महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, कोटद्वार** तथा उनके अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है। तथापि **लेखापरीक्षा में निम्नलिखित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये गयेः**

   (i) शून्य

2. **सतत् अनियमितताएः**

   (i) -

   (ii) -

3. **लेखापरीक्षा अवधि में निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा कार्यालयध्यक्ष का कार्यभार वहन किया गया**

क्रम सं0	नाम	पदनाम
(i)	श्री दीपक मुरारी	महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र

लघु एवं प्रक्रियात्मक अनियमितताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मिलित कर एक प्रति **महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, कोटद्वार** को इस आशय से प्रेषित कर दी जायेगी कि अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे वरिष्ठ उप महालेखाकार/उप महालेखाकार (संबंधित क्षेत्र का नाम) को प्रेषित कर दी जांय।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
आर्थिक क्षेत्र-2